



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 9, 1979/माघ 20, 1900

No. 41]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 9, 1979/MAGHA 20, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पालन संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1979

सीमा-शुल्क

सं० का० नि० 66 (अ) —केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के माध्यम से धारा 157 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विदेशी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति (सीमा-शुल्क विशेषाधिकारों का विनियमन) नियम, 1957 में शीर्ष संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाना है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम विदेशी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति (सीमा-शुल्क विशेषाधिकारों का विनियमन) संशोधन नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विदेशी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति (सीमा-शुल्क विशेषाधिकारों का विनियमन) नियम, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उस नियम कहा गया है) नियम 4क के उपनियम (2) और (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“(2) कोई विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति—

(क) उपनियम (1) में निर्दिष्ट किसी मोटरवाहन का, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड की अनुमति और

विदेश मंत्रालय की मार्फत, किसी अन्य विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति को विक्रय कर सकता है या अन्यथा व्ययन कर सकता है;

(ख) विदेश मंत्रालय की अनुमति से मोटरवाहन को पुनः निर्यात कर सकता है,

(ग) खण्ड (क) और (ख) के अधीन अपने अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अपना पद त्याग देने पर या भारत से बाहर स्थायित्व नहीं होने पर, विदेश मंत्रालय की अनुमति से, राज्य व्यापार निगम की अपनी कार के विक्रय की या अन्यथा व्ययन की प्रस्थापना कर सकता है।

परन्तु दुर्घटनाग्रस्त/पूर्णतः क्षतिग्रस्त मोटरवाहन की वशा में, जहाँ राज्य व्यापार निगम ने विक्रय की प्रस्थापना को स्वीकार करने से इनकार कर दिया हो या राज्य व्यापार निगम की प्रस्थापना विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति को स्वीकार्य न हो वहाँ, खण्ड (क) और (ख) के निबन्धनों के अनुसार मोटरवाहन के विक्रय या अन्यथा व्ययन के अपने अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मोटरवाहन उन बीमा कम्पनी को विक्रय या अन्यथा व्ययन कर सकता है, जिसने ऐसे मोटरवाहन का बीमा किया हो।

(3) (i) उपनियम (2) के खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अधीन किसी मोटरवाहन के बिना या अन्यथा व्ययन प्रथम पुनर्निर्यात के लिए प्रत्येक आवेदन पर लिखित “क” में दिए गए प्रकरण में किया जाएगा;

(ii) उपनियम (2) के खण्ड (ग) के अधीन राज्य व्यापार निगम को विक्रय या अन्यथा व्ययन के लिए प्रत्येक आवेदन, परिशिष्ट IV में दिए गए प्ररूप में विदेश मंत्रालय को किया जाएगा और दुर्घटनाग्रस्त/पूर्णतः क्षतिग्रस्त मोटरयान की वशा में, यदि राज्य व्यापार निगम ने इस प्रकार किए गए प्रस्ताव को प्रस्वीकृत कर दिया है या राज्य व्यापार निगम का प्रस्ताव विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति को स्वीकार्य नहीं है तो विदेश मंत्रालय आवेदन को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड के पास भेज देगा।"

3. उक्त नियम के नियम 5 में,—

(i) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(1) जहाँ किसी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति द्वारा मोटरयान से भिन्न किसी माल की निकासी सीमा-शुल्क से मुक्त रूप में की जाती है और उसका विक्रय या अन्यथा व्ययन किसी ऐसे व्यक्ति को, जो विशेषाधिकार प्राप्त नहीं है, आयात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर किया जाता है, वहाँ सम्बद्ध विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति के मुख्यालय से निकटतम सीमा-शुल्क कलेक्टर द्वारा उस विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति में सीमा-शुल्क की वसूली की जाएगी।

वसूल किए जाने वाले शुल्क का निर्धारण उस पलन के सीमा-शुल्क कलेक्टर के परामर्श में जहाँ माल का आयात किया गया था, उस समय प्रवृत्त शुल्क की दरों पर और आयात के समय माल के मूल्य के आधार पर किया जाएगा।"

(ii) उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(4)(i) नियम 4क के उपनियम (2) के खण्ड (ग) के अधीन राज्य व्यापार निगम को विक्रय या अन्यथा व्ययन किए गए किसी मोटरयान की बाबत उस पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क का संदाय, निगम नहीं करेगा जब कि निगम किसी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति से ऐसा मोटरयान उसके आयात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर, क्रय करेगा या अन्यथा उसे अजिन करेगा और उपनियम (1), (2) और (3) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तनों सहित, लागू होंगे।

(ii) दुर्घटनाग्रस्त/पूर्णतः क्षतिग्रस्त मोटरयान का विक्रय या अन्यथा व्ययन सीमा कम्पनी को किए जाने की दशा में, जब ऐसा मोटरयान सीमा कम्पनी को उसके आयात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर विक्रीत या अन्यथा व्ययनित किया जाता है तब उस पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क का संदाय विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति द्वारा किया जाएगा और उपनियम (1) (2) और (3) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।"

4. उक्त नियमों के परिशिष्ट V और VI के स्थान पर निम्नलिखित परिशिष्ट रखे जाएंगे, अर्थात् :—

परिशिष्ट V

[नियम 4(2) और 4क(3) देखिए]

निःशुल्क आयातित/बन्धकाधीन स्टॉक से क्रय किए गए माल के पुनर्निर्यात/विक्रय अथवा व्ययन की अनुज्ञा के लिए आवेदन का प्ररूप (चार प्रतियों में)

मैं _____

(विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति या कर्मचारिबुन्द के सदस्य का नाम)

जो _____ का है,

(मिशन, वाणिज्य दूतीय पोस्ट/कार्यालय आदि का नाम)

यह कथन करता हूँ कि मैं इससे उपायय अनुमूची में वर्णित माल का पुनर्निर्यात/विक्रय _____ को

(भावी केता का नाम और पता)

करता चाहता हूँ, जो अपने मिशन/कार्यालय/वाणिज्य दूतावास में अपने व्यक्तिगत/शामकीय उपयोग के लिए आयात किए गए माल पर शुल्क से छूट का हकदार है/नहीं है : प्रथमतः माल जिस कीमत पर बेचा जाता है वह लगभग _____ रु० है। मेरा निवेदन है कि इस विक्रय/पुनर्निर्यात की बाबत केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड/विदेश मंत्रालय की सहमति मुझे संसूचित की जाए।

स्थान _____

तारीख _____

आवेदक के हस्ताक्षर _____

आवेदक का पदनाम _____

मिशन/वाणिज्यदूतीय पोस्ट/कार्यालय
आदि का नाम।

अनुसूची

1. विक्रय किए जाने वाले माल का नाम
2. मात्रा और (मोटरयानों की दशा में) रजिस्ट्रीकरण सं०
3. आयात किया गया है या बन्धकाधीन स्टॉक से क्रय किया गया है
4. यदि विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति से क्रय किया गया है तो उसका नाम और पता
5. क्या मिशन, वाणिज्यदूतीय पोस्ट/कार्यालय आदि के व्यक्तिगत/शामकीय उपयोग के लिए आयात/क्रय किया गया है
6. वह तारीख जिसको छूट प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे और वह बिया गया था
7. स्वदेश के भीतर उपयोग के लिए आयात-पत्र का संख्यांक और तारीख जिसके अधीन सीमा-शुल्क से माल की निकासी की गई थी
8. भारत में आयात-पलन का नाम
9. तारीख जिस को बचतबन्ध पर हस्ताक्षर किए गए (तब भरा जाएगा जब विक्रय/पुनर्निर्यात किया जाने वाला माल मोटरयान है)

स्थान

परिशिष्ट VI

निःशुल्क आयातित या बन्धकाधीन स्टॉक से क्रय किए गए मोटरयान को, भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड को विक्रय या व्ययन करने की अनुज्ञा के लिए आवेदन का प्ररूप (छह प्रतियों में)

मैं/हम _____ जो

(विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति का नाम और पदनाम)

के कर्मचारिबुन्द

(मिशन, वाणिज्यदूतीय पोस्ट/कार्यालय)

का सदस्य हूँ, यह कथन करता हूँ/करते हैं कि मैं/हम इससे उपायय अनुमूची में वर्णित मोटरयान का विक्रय भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड, नई दिल्ली/बम्बई/कलकत्ता/मद्रास को करना चाहता हूँ/चाहते हैं। विक्रय के लिए प्रस्थापित यान का, संलग्न सुसंगत दस्तावेजों के आधार

पर, लागू बीमा-भाड़ा मन्त्रित्व मूल्य है।
निवेदन है कि इस विक्रय/हस्तांतरण की बाबत भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की सहमति मुझे/हमें संसूचित की जाए।

2. राज्य व्यापार निगम द्वारा यान क्रय करने से इन्वार कर दिए जाने की दशा में (केवल दुर्घटनाग्रस्त/पूर्णतः क्षतिग्रस्त यानों की दशा में) या यदि राज्य व्यापार निगम का प्रस्ताव मुझे/हमें स्वीकार्य नहीं है तो आवेदन को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड को इस बाबत संज्ञा देने के लिए भेज दिया जाए कि संबंधित मोटरयान या तो बीमा कम्पनी को, जिसने ऐसे यान का बीमा किया है, विक्रय कर दिया जाए, जिस दशा में (ऐसे यानों की बाबत, जिनके भारत में आयात की तारीख से तीन वर्ष पूरे नहीं हुए हैं) सीमा-शुल्क के संदाय के लिए मैं/हम बचनबद्ध करता हूँ/करते हैं या फिर विशेषाधिकार प्राप्त किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय कर दिया जाए, जिस दशा में विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति को परिशिष्ट V में (चार प्रतियों में) पृथक् आवेदन करना होगा।

आवेदक के हस्ताक्षर

स्थान :

आवेदक का पद नाम

तारीख :

मिशन का नाम

अनुसूची

1. विक्रय किए जाने वाले यान का नाम :
2. मात्रा और यान/यानों का रजिस्ट्रीकरण संख्याक :
3. आयात किया गया है या बंधकाधीन स्टॉक से क्रय किया गया है :
4. क्या किसी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति से क्रय किया गए हैं, यदि ऐसा है तो उनका नाम और पता :
5. क्या उनका आयात/क्रय व्यक्तिगत उपयोग शिष्टमण्डल/पद आदि के शासकीय उपयोग के लिए किया गया है :
6. वृत्त तारीख जिसको छूट प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे और वृत्त दिया गया था :
7. स्वदेश के भीतर उपयोग के लिए आयात पत्र का संख्याक और तारीख जिसके अधीन सीमा-शुल्क से माफ की निकासी की गई थी :
8. भारत में आयात-पसल का नाम :
9. तारीख जिस की बचनबद्ध पर हस्ताक्षर किए गए :

[प्रतिसूचना सं० 32/का० सं० 421/92/72-सी० म० 4]

स्थान :

तारीख :

एम० बसु, अवर सचिव

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड

CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th February, 1979

CUSTOMS

G.S.R. 66(E). In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 157 read with sub-section (3) of section 160 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of

Excise and Customs hereby makes the following regulations further to amend the Foreign Privileged Persons' (Regulation of Customs Privileges) Rules, 1957, namely :—

1. (1) These rules may be called the Foreign Privileged Persons' (Regulation of Customs Privileges) Amendment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Foreign Privileged Persons' (Regulation of Customs Privileges) Rules, 1957 (hereinafter referred to as the said rules), for sub-rules (2) and (3) of rule 4A, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) Any privileged person—

- (a) may sell or otherwise dispose of any motor vehicle referred to in sub-rule (1) to another privileged person, with the permission of the Central Board of Excise and Customs through the Ministry of External Affairs;
- (b) may re-export the motor vehicle, with the permission of the Ministry of External Affairs;
- (c) without prejudice to his rights under clauses (a) and (b), may offer the car for sale or otherwise dispose of to the State Trading Corporation on relinquishing his post or on his transfer out of India, with the permission of the Ministry of External Affairs.

Provided that in case of accidented/totally damaged motor vehicle, where the State Trading Corporation has declined to accept the offer for sale or the offer of the State Trading Corporation is not acceptable to the privileged person, such motor vehicle, with the permission of the Central Board of Excise and Customs, may be sold or otherwise disposed of to the Insurance Company with whom the motor vehicle was insured without prejudice to his rights to sell or otherwise dispose of the motor vehicle in terms of the provisions of clauses (a) and (b).

(3)(i) Every application for sale or disposal otherwise of a motor vehicle to a privileged person or re-export, under clause (a) or clause (b) of sub-rule (2), shall be made in the Form in Appendix V;

(ii) Every application for sale or disposal otherwise of a motor vehicle to the State Trading Corporation, under clause (c) of sub-rule (2), shall be made to the Ministry of External Affairs, in the Form in Appendix VI and in case of accidented/totally damaged motor vehicle, the Ministry of External Affairs shall remit the application to the Central Board of Excise and Customs if the State Trading Corporation has declined the offer so made or the offer of the State Trading Corporation is not acceptable to the privileged person.”

3. In rule 5 of the said rules,—

(i) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) Where goods, other than motor vehicle, are cleared free of Customs Duty by a privileged person and they are sold or otherwise disposed of by him (other than re-exported) to a non-privileged person within three years from the date of their importation, Customs Duty shall be recovered from such privileged person by the Collector or Customs nearest to the headquarters of the privileged person concerned.

The duty to be recovered shall be assessed in consultation with the Collector of Customs of the port at which the

goods were imported at the rates of duty in force, and on the basis of the value at the time of importation of the goods.”;

(ii) For sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(4)(i) In respect of a motor vehicle sold or otherwise disposed of to the State Trading Corporation under clause (c) of sub-rule (2) of rule 4A, that Corporation shall pay the Customs Duty leviable thereon when the Corporation purchases or otherwise acquires the motor vehicle from any privileged person within three years from the date of its importation and the provisions of sub-rules (1), (2) and (3) shall apply mutatis mutandis.

(ii) In case of accidented/totally damaged motor vehicle sold or otherwise disposed of to the Insurance Company, the privileged person shall pay the customs duty leviable thereon when such motor vehicle is sold or otherwise disposed of to the Insurance Company within 3 years from the date of its importation and the provisions of sub-rules (1), (2) and (3) shall apply mutatis mutandis.”

4. For Appendices ‘V’ and ‘VI’ to the said rules, the following appendices shall be substituted, namely :—

APPENDIX V

“[See rules 4(2) and 4A(3)]

FORM OF APPLICATION FOR PERMISSION TO RE-EXPORT/SELL OR DISPOSE OF THE GOODS IMPORTED/ PURCHASED FROM BOND FREE OF DUTY (TO BE SUBMITTED IN QUADRUPLICATE).

I.....
(Name and designation of the privileged person or the member of the staff)

of
(Name of the Mission, Consular Post/Office etc.)
hereby state that I wish to re-export/sell the goods, the description of which has been given in the Schedule annexed hereto, to

(Name and address of the prospective purchaser)
who is entitled/not entitled to exemption from duty on goods imported by him for his personal use/for the official use in his Mission/Office/Consulate. The price for which the goods in question are likely to be sold is approximately Rs.
I request that the concurrence of the Central Board of Excise and Customs/Ministry of External Affairs to this sale/re-export may kindly be communicated to me.

Place : Signature of the applicant
Date : Designation of the applicant
Name of the Mission/Consular Post/Office etc.

SCHEDULE

1. Name of the goods to be sold :
2. Quantity and Registration No. (in case of motor vehicles) :
3. Whether imported or purchased from bond :
4. Whether purchased from privileged person, if so, his name and address :
5. Whether imported/purchased for personal use/official use of the Mission, Consular Post/Office etc. :
6. Date on which exemption certificate was signed and given :
7. Number and date of the Bill of Entry for home consumption under which the goods were cleared through Customs :

8. Name of the Port to importation into India
9. Date on which the undertaking was signed (to be filled in if the goods desired to be sold/re-exported are motor vehicles)

Place :

Date :

APPENDIX VI

FORM OF APPLICATION FOR PERMISSION TO SELL OR DISPOSE OF THE MOTOR VEHICLES IMPORTED OR PURCHASED FROM BOND, FREE OF DUTY, TO THE STATE TRADING CORPORATION OF INDIA LTD. (TO BE SUBMITTED IN SEXTUPLICATE).

I/We
(Name and designation of privileged person) of the staff of

(Name of the Mission, Consular Post, Office)
hereby state that I/we wish to sell the motor vehicle, the description of which is given in the Schedule annexed hereto, to the State Trading Corporation of India, New Delhi/Bombay/Calcutta/Madras. The c.i.f. price of the vehicle proposed to be sold is Rs. as per copy of the relevant documents attached herewith. I/We request that the concurrence of the Government of India in the Ministry of External Affairs to this sale/transfer may kindly be communicated to me/us.

2. In case the State Trading Corporation declines to purchase the vehicle (applicable only for accidented/totally damaged vehicles) or if the offer of the State Trading Corporation is not acceptable to me/us, the application may be remitted to the Central Board of Excise and Customs for granting permission for sale of the motor vehicle either to the Insurance Company with whom the car is insured, in which case I undertake to pay the Customs duty (for vehicles which have not completed three years from the date of their importation into India); or to any other privileged person, in which case the privileged person will have to apply in Appendix V (in quadruplicate) separately.

Place : Signature of applicant.
Date : Designation of applicant.
Name of the Mission.

SCHEDULE

1. Name of the goods to be sold :
2. Quantity and Registration No. of the Vehicle(s) :
3. Whether imported or purchased from bond :
4. Whether purchased from a privileged person, if so, his name and address :
5. Whether imported/purchased for personal use/official use of the Mission/Post etc. :
6. Date on which exemption certificate was signed and given :
7. No. and date of the Bill of Entry for Home Consumption under which the goods were cleared through Customs :
8. Name of the port of importation into India :
9. Date on which the undertaking was signed :

Place :

Date :

[Notification No. 32 /F. No. 42 1/92 /72-Cus. IV]

S. BASU, Under Secy.
Central Board of Excise and Customs